

ABP NEWS > हेत्य > अब गर्भ में ही पता चल जाएगा बच्चे में होने वाली जेनेटिक गड़बड़ी के बारे में

LIVE TV

वीडियो

फोटो

Advertisement



अब गर्भ में ही पता चल जाएगा बच्चे में होने वाली जेनेटिक गड़बड़ी के बारे में

बच्चों में होने वाली जेनेटिक गड़बड़ी का आसानी से पता नहीं चल पाता। लेकिन अब ऐसा होना संभव हो सकेगा। जानिए ये कैसे संभव है और इसके लिए क्या करना होगा। गर्भावस्था में सटीक जांच के लिए मेडजेनोम ने नॉन-इनवैसिव प्रीनैटल टेस्टिंग (एनआईपीटी) पेश किया है...

By: एबीपी न्यूज़ | Updated: 03 Apr 2018 05:29 PM



Search



English वाला मराठी खंडाली गुजराती



ट्रेंडिंग



पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के समर्थन में आए गांगुली कहा- धोखेबाज नहीं है स्मिथ



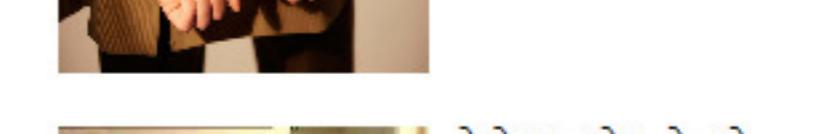
IPL 2018: कप्तान कोहली ने भरी हुंकार, पहली बार चैपियन बनने को बेताब है



IPL 2018: बीबीएल के बाद आईपीएल में धमात मचाने को तैयार हैं जोफरा आर्चर



सचिन ने अफरीदी को दिया करारा जवाब



IPL मैचों पर थी ISI की नजर, चार युवक गिरफतार

VIEW MORE »

कैसे होगी जांच-

मेडजेनोम में एनआईपीटी की कार्यक्रम निदेशक प्रिया कदम ने इस जांच प्रक्रिया के महत्व के बारे में बताया कि ये नुकसानरहित हैं। इतना ही नहीं, ये एनआईपीटी किसी खास उम्र के लोगों के लिए नहीं हैं और इसे बच्चे की सेहत सुनिश्चित करने के लिए सभी गर्भवती महिलाओं को मुहैया कराया जा सकता है। इसके अलावा इसे गर्भावस्था के 9वें सप्ताह में ही कराया जा सकता है। एनआईपीटी टेस्ट देश की जेनेटिक गड़बड़ी के बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कैसे होगी जांच-

कंपनी ने कहा कि मां के हाथ से लिए गए खून के मामूली नमूने से एनआईपीटी स्क्रीनिंग टेस्ट किया जा सकेगा। एनआईपीटी टेस्ट में भूषण के कोशिका मुक्त डीएनए का विश्लेषण और क्रोमोसोम संबंधी दिक्कतों की जांच की जाती है। यह परीक्षण पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें कोई नुकसान नहीं होता है। ये टेस्ट 99 फीसदी से अधिक स्तर तक बीमारी का पता लगाने तक सटीक है।

कैसे किया गया परीक्षण -

एनआईपीटी को जहां भी लागू किया गया वहां नुकसानदायक प्रक्रियाओं में 50-70 फीसदी तक की महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई। इस रिसर्च में एनआईपीटी स्क्रीनिंग 516 गर्भवतियों पर की गई जिनमें पहली और दूसरी तिमाही में डबल मार्कर, कॉड्रूपल मार्कर टेस्ट में अत्यधिक जोखिम की जांच की गई। जांच के परीक्षणों के लिए 98 फीसदी से अधिक मामलों में कम जोखिम और 2 फीसदी में अधिक जोखिम की जानकारी मिली।

कहां होगे ये टेस्ट-

मेडजेनोम फिलहाल बैंगलुरु स्थित अपनी सीएपी प्रमाणित प्रयोगशाला में विभिन्न प्रमुख बीमारियों के लिए विभिन्न प्रकार के परीक्षणों की पेशकश कर रही है जिनमें एकजोम सीकेंसिंग, लिकिड बायोप्सी और करियर स्क्रीनिंग शामिल हैं।

ये रिसर्च के दावे पर हैं। ABP न्यूज़ इसकी पुष्टि नहीं करता। आप किसी भी सुझाव पर अमल या इलाज शुरू करने से पहले अपने एक्सपर्ट की सलाह जरूर ले लें।

फटाफट खबरों के लिए हमें फॉलो करें फेसबुक, ट्विटर, गूगल प्लस पर और डाउनलोड करें Android [Hindi News App](#), iOS [Hindi News App](#)

Web Title: Study on Non-invasive Prenatal Testing is successful by MedGenome

Read all latest [Health News](#) headlines in Hindi. Also don't miss today's [Hindi News](#).

First Published: 03 Apr 2018 01:44 PM

Next Story